नीट में शामिल नहीं हुए तभी विदेश से कर पाएंगे MBBS, ये हैं नए नियम

Sunil Sharma | Publish: Sep, 15 2018 11:51:16 AM (IST) | Updated: Sep, 15 2018 11:59:40 AM (IST) शिक्षा

मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया ने इस साल नीट की आवेदन व परीक्षा प्रक्रिया में शामिल नहीं होने वाले अभ्यर्थियों को अगली नीट की प्रक्रिया शुरू होने तक विदेश में जाकर एमबीबीएस कोर्स में प्रवेश लेने की छूट दे दी है।

मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया ने इस साल नीट की आवेदन व परीक्षा प्रक्रिया में शामिल नहीं होने वाले अभ्यर्थियों को अगली नीट की प्रक्रिया शुरू होने तक विदेश में जाकर एमबीबीएस कोर्स में प्रवेश लेने की छूट दे दी है। काउंसिल ने इस बारे में शुक्रवार को निर्देश जारी किए हैं। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह छूट उन अभ्यर्थियों को नहीं मिलेगी, जिन्होंने इस बार नीट का आवेदन भरा, लेकिन नीट की परीक्षा नहीं दी, जिन्होंने आवेदन किया मगर सफल नहीं हुए और ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने आवेदन किया, परीक्षा दी पर उनका परिणाम रोक लिया गया।

अगली नीट से पहले तक ही दी छूट

यह छूट अगली नीट की प्रक्रिया शुरू होने तक ही मिलेगी। काउंसिल ऐसे अभ्यर्थियों से इसका शपथ पत्र भी लेगा कि वे नीट की प्रक्रिया में शामिल नहीं हुए। यदि किसी ने झूठा शपथ पत्र पेश किया तो ऐसे अभ्यर्थी पर कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। एमसीआई ने यह छूट हाल ही दिल्ली हाईकोर्ट के एक फैसले के बाद दी है।

हर साल बढ़ रहा क्रेज

विदेश से एमबीबीएस का का क्रेज लगातार बढ़ रहा है। राज्यों के साथ प्रदेश से विदेश से डॉक्टरी की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों की संख्या में दस से 15 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। एक्सपर्ट वेद प्रकाश बेनीवाल का कहना है कि एमसीआई के नीट लागू करने की अनिवार्यता की जानकारी नहीं थी। ऐसे में उनको अब एक वर्ष तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। डॉ. अनिल धायल ने बताया कि इससे छात्रों को एक साल का लाभ मिलेगा।

छात्रों को होगा फायदा, खराब नहीं होगा वर्ष

विदेश में मेडिकल शिक्षा लेने के इच्छुक छात्रों को एमसीआई की इस घोषणा से फायदा होगा। अब तक विदेश में मेडिकल शिक्षा के लिए एडमिशन लेने में उन्हें जो दिक्कतें आ रही थी, वो दूर हो जाएंगी और उनका एक वर्ष भी बच सकेगा।

Upload Photos
of your business on Google
Get more customers
Start Now
Google My Business

खबरें शानदार 11 /12
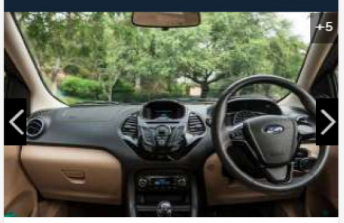
एक-दूसरे से बेहद अलग हैं Ford Ecosport की ये 4 कारें, अपनी जरूरत के हिसाब से चुनें

सर्जरी बीना 8 वर्षीय अश्फुल बोलने और सुनने मे सक्षम ना रहेगा.

ऑटोचालक के बच्चे का इलाज के बिना दर्दनाक अल्पकालीन जीवन. मदद करें.

महंगी शल्यक्रिया जरूरी नहीं - इस युक्ति से रोज़ 1 किलो कम करें

Live Desk

और पढ़ें

- जापान: तूफान 'ट्रामी' के खौफ से सैकड़ों उड़ानें रद्द, सरकार ने जारी किया अलर्ट — Asia a few seconds ago
- 'ऑनलाइन व्यापार से स्वास्थ्य के साथ होगा खिलवाड़' — Mandsaur a few seconds ago
- सुसाइड करने वाले सप्लाई इंस्पेक्टर को ढाई साल से नहीं मिली थी सैलरी — Bhadohi 2 minutes ago

संबंधित वीडियो

और पढ़ें

आईआईटी ने बनाया मटका, फ्लोराइड मुक्त हो गया पानी

'नमस्कार कहें', 'गुड मॉर्निंग' नहीं : उपराष्ट्रपति नायडू

Jameel Khan | Publish: Sep, 29 2018 03:03:33 PM (IST) शिक्षा

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने कहा कि भारत को उपनिवेशवाद की मानसिकता से बाहर निकलना चाहिए और 'गुड मॉर्निंग', 'गुड आफ्टरनून', और 'गुड इवनिंग' के स्थान पर 'नमस्कार' कहना चाहिए।

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने शुक्रवार को कहा कि भारत को उपनिवेशवाद की मानसिकता से बाहर निकलना चाहिए और 'गुड मॉर्निंग', 'गुड आफ्टरनून', और 'गुड इवनिंग' के स्थान पर 'नमस्कार' कहना चाहिए। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (NIT) द्वारा आयोजित दीक्षांत समारोह में उन्होंने कहा, वह अंग्रेजी भाषा के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन भारत को अंग्रेजी उपनिवेशवादी शासन की मानसिकता से बाहर निकलने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, 'नमस्कार भारत में हमारा संस्कार है। यह सुबह, शाम और रात में भी उचित है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि राज्यसभा के सभापति होने के नाते उन्होंने उन उपनिवेशवादी कार्यों को समाप्त कर दिया, जो पुराने हो चुके थे। उन्होंने याद करते हुए कहा कि कैसे हाल ही में अंग्रेजी को एक बीमारी कहने के बाद मीडिया के एक वर्ग ने उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया था, जबकि वह मातृभाषा की रक्षा और प्रसार के बारे में बात कर रहे थे।

नायडू ने कहा, मैंने ऐसा नहीं कहा था। अंग्रेजी एक बीमारी नहीं है। अंग्रेजी का स्वागत है। आप इससे सीखते हैं, लेकिन अंग्रेजी दिमाग जो कि ब्रिटिश शासन द्वारा हमें परंपरागत रूप से मिला है, वह बीमारी है। अंग्रेज चले गए, उनकी मानसिकता यहीं बनी हुई है। नायडू ने संस्थान द्वारा परंपरागत काले दीक्षांत गाउन पहनना अनिवार्य नहीं करने की भी सराहना की।

एक लाख 23 हजार बालिकाओं को मिलेगा गार्गी पुरस्कार

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित सैकण्डरी एवं सीनियर सैकण्डरी, प्रवेशिका एवं वरिष्ठ उपाध्याय परीक्षा-2018 में 75 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाली एक लाख 23 हजार बालिकाओं को इस वर्ष गार्गी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। शिक्षा राज्य मंत्री वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को बताया कि इन बालिकाओं को सत्र 2018-19 का गार्गी पुरस्कार समारोह प्रत्येक जिला मुख्यालय एवं पंचायत समिति स्तर पर चार अक्टूबर तक आयोजित कर पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष एक लाख 23 हजार बालिकाओं को 46 करोड़ आठ लाख रुपए की राशि का वितरण गार्गी पुरस्कार समारोह के तहत किया जायेगा। पुरस्कार की पात्र बालिकाएँ पुरस्कार के लिए अपने जिले के माध्यमिक जिला शिक्षा अधिकारी के यहां आवेदन कर सकती हैं।

खबरें शानदार 6 /12

बाइक खरीदने का सोच रहे हैं तो अभी खरीदें क्योंकि अक्टूबर से...

Live Desk

और पढ़ें

- महारैली में अखिलेश यादव का मोदी-शिवराज पर निशाना — Shahdol a few seconds ago
- जापान: तूफान 'ट्रामी' के खौफ से सैकड़ों उड़ानें रद्द, सरकार ने जारी किया अलर्ट — Asia a minute ago
- 'ऑनलाइन व्यापार से स्वास्थ्य के साथ होगा खिलवाड़' — Mandsaur a minute ago

संबंधित वीडियो

और पढ़ें

Video: यूरोप में बोले उपराष्ट्रपति, रोमानिया कई

वीडियो: उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने रोमानिया के चैंबर

वीडियो: माल्टा में बसे भारतीय समुदाय ने भारत के विकास की

वीडियो: सर्बिया में वेंकैया नायडू ने दी महात्मा गांधी को

वीडियो: सर्बिया पैलेस पहुंचे

स्कूलों में अटल टैंकरिंग लैब की संख्या बढ़कर पांच हजार होगी : पीएम मोदी

Jameel Khan | Publish: Sep, 29 2018 02:30:14 PM (IST) | Updated: Sep, 29 2018 02:30:15 PM (IST) शिक्षा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार पर बल देते हुए शिक्षा को किताबों और क्लास रूम से बाहर ले जाकर समाज और देश से जोडऩे का आह्वान किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार पर बल देते हुए शिक्षा को किताबों और क्लास रूम से बाहर ले जाकर समाज और देश से जोडऩे का आह्वान किया है। मोदी ने नवाचार को बढ़ाने के लिए स्कूलों में अटल टैंकरिंग लैब की संख्या तीन हजार से बढ़ाकर पांच हजार करने की भी घोषणा की है। उन्होंने शनिवार को विज्ञान भवन में कुलपतियों के राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए यह आह्वान किया। इस मौके पर मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर, मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री डॉ सत्यपाल सिंह, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष एवं सुप्रसिद्ध पत्रकार रामबहादुर राय, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के कुलपति नागेश्वर राव और राष्ट्रीय कला केंद्र के सचिव सच्चिदानंद जोशी और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अध्यक्ष डी पी सिंह भी मौजूद थे।

पीएम मोदी ने प्राचीन भारत में देश की शिक्षा व्यवस्था तथा आधुनिक काल में स्वामी विवेकानंद से लेकर अम्बेडकर दीन दयाल उपाध्याय और लोहिया के शिक्षा के बारे में उनके विचारों को उद्धरित करते हुए कहा कि शिक्षा का संबंध केवल किताबी ज्ञान से नहीं बल्कि बेहतर इंसान बनने और चरित्र निर्माण के साथ-साथ सामाजिक दायित्व से भी होता है, लेकिन युग बदलने के साथ-साथ उसमें परिवर्तन भी होता है। आज समय की मांग है कि उसमें नवोन्मेष नवाचार को जोड़ा जाए।

उन्होंने कहा कि स्कूल स्तर से ही नवाचार को जोडऩे के लिए उनकी सरकार ने देश के स्कूलों में अब तक तीन हजार अटल टैंकरिंग लैब खोले हैं। अब उनकी संख्या बढ़कर पांच हजार की जाएगी। उन्होंने कॉलेज के छात्रों को गरीबों की झुग्गी-झोपडिय़ों में जाकर उन्हें स्वच्छता अभियान आयुष्मान भारत जैसे सरकारी कार्यक्रमों से भी लोगों को अवगत कराने एवं उन्हें ज्ञान बांटने की भी सलाह दी। उन्होंने कहा कि छात्र अपने आस-पास के इलाकों में जाकर डिजिटल इंडिया कार्यक्रमों की भी लोगों को जानकारी दें और न्यू इंडिया के निर्माण में भी सहयोग दें।

खबरें शानदार 6 /12

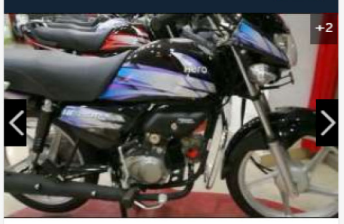

बाइक खरीदने का सोच रहे हैं तो अभी खरीदें क्योंकि अक्टूबर से...

Live Desk और पढ़ें

- महारैली में अखिलेश यादव का मोदी-शिवराज पर निशाना
  Shahdol a few seconds ago
- जापान: तूफान 'ट्रामी' के खौफ से सैकड़ों उड़ानें रद्द, सरकार ने जारी किया अलर्ट
  Asia a minute ago
- 'ऑनलाइन व्यापार से स्वास्थ्य के साथ होगा खिलवाड़'
  Mandsaur a minute ago

संबंधित वीडियो और पढ़ें

दिल्ली: पीएम नरेंद्र मोदी ने शिक्षा के विकास पर दिया जोर,

बढ़ी सरकार की धडक़नें : आएंगे पीएम मोदी अजमेर मुख्यमंत्री

इन 10 आसान टिप्स से आप भी फटाफट सीख जाएंगे

वीडियो: सर्जिकल स्ट्राइक की वर्षगांठ पर पीएम के सामने

कॅरियर में सफलता प्राप्त करने के लिए बड़े बदलाव करना जरूरी नहीं है। यदि आप रोजमर्रा की जिंदगी में छोटे-छोटे बदलाव लाने की तैयारी कर लेते हैं तो आपको सफलता मिल सकती है। जानते हैं कॅरियर में सफलता के खास रूल्स के बारे में करीब से-

सफलता पाने के लिए सैकड़ों स्किल्स मौजूद हैं। आप अपने लिए बेस्ट अप्रोच चुन सकते हैं। सफल प्रोफेशनल्स को परिभाषित करने के लिए कई चीजों पर ध्यान दिया जा सकता है। बैकग्राउंड, डोमेन और परिस्थितियों के अलावा उनमें कुछ अच्छी आदतें होती हैं, जिन्हें वे रोज फॉलो करते हैं। रोजाना सिंपल रूटीन फॉलो करते हुए समय के साथ मनचाहा परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।

सीमित विल पावर

कम समय में ज्यादा निर्णय लेने से इस क्षमता पर नेगेटिव असर पड़ता है। छोटे पॉजिटिव विकल्प चुनें और एक महीने तक जारी रखें ताकि वह व्यवहार में झलकने लगे और आदत बन जाए। ढेर सारी सफल आदतें सफलता में ज्यादा योगदान करती हैं।

एटीट्यूड का महत्व

यदि आप एक स्टार सेल्स पर्सन हैं तो आवेश में आकर किसी पर झुंझला सकते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि यह एटीट्यूड खराब श्रेणी में आता है। जैसे ही मौका मिलेगा, कंपनी एक शानदार एटीट्यूड वाले पर्सन को ऑफर दे देगी।

वर्क-लाइफ बैलेंस बनाएं

जीवन बहुआयामी है लेकिन सफलता के लिए मौजूदा क्षण में जिएं। परिवार और काम को अलग रखें। परिवार या काम के तनाव को एक-दूसरे पर न थोपें। दोस्तों और कलीग्स के बीच में अंतर रखें और अलग-अलग ट्रीट करें। ऑफिस के समय में निजी काम न करें। जीवन के हर पहलू को अलग-अलग ट्रीट करें।

सीखते रहें

ज्ञान और स्किल्स ऐसे टूल्स हैं, जिनसे आय बढ़ सकती है और कॅरियर के लक्ष्य हासिल होते हैं। ज्ञान का निरंतर विस्तार करें। आप जिस भी व्यक्ति से मिलें, उससे सीखने की कोशिश करें। रोज कुछ न कुछ जरूर पढ़ें। सीखने का कोई मौका न छोड़ें।

अपनी ऊर्जा बढ़ाएं

ज्यादा एनर्जी से आप ज्यादा काम पूरे कर पाते हैं। इसलिए ज्यादा एनर्जी प्राप्त करें। एनर्जी लेवल बढ़ाने के लिए सही खाएं और नियमित व्यायाम करें। परिवार, दोस्तों और किसी रुचि में निवेश करके अपनी इमोशनल एनर्जी को सर्वाधिक कर सकते हैं।

अपनी पहली जिम्मेदारी पूरी करें

आप खुद अपनी पहली जिम्मेदारी हैं। इस लिए अपनी जरूरतों की प्राथमिकता तय करें। अपने भविष्य का विजुअलाइजेशन करें। उन वैल्यूज और प्रिंसिपल्स को चुनें, जो आपके भविष्य के अनुरूप हों। पता करें कि आप अपने भविष्य तक कैसे पहुंच सकते हैं। अब उन एक्शन्स की सूची बनाएं जिन्हें आप नियमित करेंगे और अपनी आदत बना लेंगे।

15 मिनट पहले पहुंचें

वर्कप्लेस या मीटिंग में 15 मिनट पहले पहुंचने की आदत डालें। इससे आप काम या मीटिंग को लेकर सही अप्रोच अपना पाते हैं। इससे अच्छा प्रभाव पड़ता है। इससे कई नए अवसर मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

उद्देश्य खोजें

स्टैनफोर्ड मार्शमैलो एक्सपेरिमेंट ने साबित किया है कि जो लोग तुरंत मिलने वाली छोटी खुशी के पीछे नहीं भागते और संतुष्ट नहीं होते, वे जीवन में बेहतर परिणाम पाते हैं। आपको आय के बजाय बड़ा उद्देश्य बनाना चाहिए। इससे तेजी से प्रगति करने के लिए जुट जाएंगे।

जुड़ें

दूसरों के साथ संवाद की कला सीखें। लोगों से जुडऩे की कोशिश करें। कुछ समझ न आए तो सवाल करें। मैनेजर को मदद के लिए धन्यवाद दें। जब कोई व्यक्ति कोई बात कह रहा हो तो बिना किसी जजमेंट के उसे सुनें। जब कुछ समझना हो तो पूरी तरह से शांत रहें।

सही तरह से काम करें

क्या आपने हार्ड वर्क का निर्णय लिया है? क्या कभी सोचा है कि आप कब और कहां हार्ड वर्क करेंगे? लगातार सीखने और ग्रोथ के लिए सही ओपनिंग्स की तलाश करें। जब मौके आएं तो सही जगह और समय पर पूरे प्रयास करें। परिणाम आधारित काम करें।

खबरें शानदार 6 /12

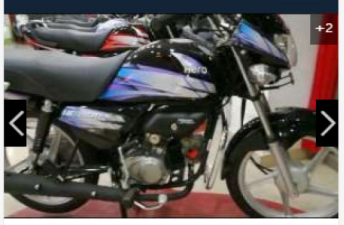

बाइक खरीदने का सोच रहे हैं तो अभी खरीदें क्योंकि अक्टूबर से...

Live Desk और पढ़ें

- महारैली में अखिलेश यादव का मोदी-शिवराज पर निशाना
  Shahdol a few seconds ago
- जापान: तूफान 'ट्रामी' के खौफ से सैकड़ों उड़ानें रद्द, सरकार ने जारी किया अलर्ट
  Asia a minute ago
- 'ऑनलाइन व्यापार से स्वास्थ्य के साथ होगा खिलवाड़'
  Mandsaur a minute ago

संबंधित वीडियो और पढ़ें

इन 10 आसान टिप्स से आप भी फटाफट सीख जाएंगे

दोनों हाथ नहीं फिर भी लक्ष्मी ने नहीं मानी हार, हौसले को

दो दिन होगा शैक्षिक मंथन, कई बिन्दुओं पर होगी चर्चा

कर्मचारी हड़ताल पर, आरपीएससी की काउंसलिंग हो

लिपिक ग्रेड द्वितीय परीक्षा शुरू, 16 जिलों में 3 लाख 35

For More Information login to: www.eklavyaoverseas.com
+91-926-662-2503 / 921-210-1597